भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 3196
गुरुवार, 18 दिसंबर, 2025/27 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

पुडुचेरी विमानपत्तन का संचालन

3196. श्री वी. वैथिलिंगमः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने अपर्याप्त रनवे की लंबाई, सीमित एप्रन क्षमता, रात्रि लैंडिंग अनुमोदन का अभाव और सीमित क्षेत्रीय संपर्क से उत्पन्न चुनौतियों की जांच की है जो पुडुचेरी विमानपत्तन के पूर्ण प्रचालन में बाधा उत्पन्न कर रही है और संघ राज्यक्षेत्र पुडुचेरी में यात्री-यातायात वृद्धि में बाधा उत्पन्न कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार द्वारा पुडुचेरी के लिए क्षेत्रीय संपर्क योजनाओं के अंतर्गत भूमि की उपलब्धता की बाधाओं को दूर करने, सुरक्षा अवसंरचना को मजबूत करने, टर्मिनल सुविधाओं में सुधार करने, वायु-नेविगेशन प्रणालियों को बढ़ाने और दीर्घकालिक कार्यक्रम सुनिश्चित करने के लिए किए जाने वाले प्रस्तावित उपाय क्या हैं; और

(ग) क्षेत्रीय प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय, एयरलाइन प्रतिबद्धताओं की पारदर्शी निगरानी और पर्यटन और आर्थिक गतिविधि में वृद्धि के लिए लक्षित समर्थन सहित पुडुचेरी में नागर विमानन सेवाओं के सतत विस्तार को सुनिश्चित करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जाने का प्रस्ताव है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) और (ख): भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने पुडुचेरी सरकार को मास्टर प्लान और ऑब्स्टेकल लिमिटेशन सर्वे (ओएलएस) रिपोर्ट सौंपी है। मास्टर प्लान के अनुसार, जिसका उद्देश्य 2300 मीटर × 45 मीटर के विस्तारित रनवे के प्रस्ताव सहित इन्सट्रुमेन्ट फ्लाईट नियमों (आईएफआर) के तहत ए-320 प्रकार के विमान के परिचालन की सुविधा प्रदान करना है, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने 402 एकड़ की कुल अतिरिक्त भूमि की आवश्यकता का अनुमान लगाया है - जिसमें तमिलनाडु में 217 एकड़ और पुडुचेरी में 185 एकड़ भूमि शामिल है। राष्ट्रीय नागर विमानन नीति, 2016 के प्रावधानों के अनुसार, हवाईअड्डों के विकास के लिए नि:शुल्क और सभी बाधाओं से मुक्त आवश्यक भूमि प्रदान करने की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार / संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के पास है।

(ग): उडे देश का आम नागरिक (उड़ान) क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस) के तहत, स्पाइसजेट लिमिटेड ने दिनांक 16.08.2017 को "हैदराबाद- पुडुचेरी - हैदराबाद" मार्ग पर

परिचालन शुरू किया और दिनांक 30.03.2024 तक परिचालन जारी रखा। वर्तमान में, इंडिगो पुडुचेरी-हैदराबाद-पुडुचेरी सेक्टर में वाणिज्यिक उड़ानों का परिचालन कर रही है।

इसके अलावा, मार्च 1994 में वायु निगम अधिनियम के निरसन के साथ, भारतीय घरेलू विमानन को पूरी तरह से नियंत्रणमुक्त कर दिया गया है। एयरलाइनें बाजार और मार्गों का चयन करने, किसी भी विमान प्रकार को शामिल करने और सरकार द्वारा जारी मार्ग संवितरण दिशानिर्देशों (आरडीजी) के अनुपालन में परिचालन करने के लिए स्वतंत्र हैं।

*****